भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

राष्ट्रीय सहारा

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 26.06.2019

आईआईटी बीएचयू में इसी सत्र से आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग की पढ़ाई

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आगामी नए सत्र से आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग नाम से नए विभाग को शुरू करने जा रहा है। इस विभाग का नाम डिपार्टमेंट ऑफ आर्किटेक्चर एण्ड प्लानिंग होगा। काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर से स्वीकृत इस विभाग के अंतर्गत छह पाठ्यक्रमों को शुरू करने की योजना है। इसमें 100 सीटें होगी। मगर सभी फैकल्टीज की अभी नियुक्ति नहीं होने से सिर्फ 20 सीटों के साथ एक पाठ्यक्रम ही विभाग जुलाई सत्र से शुरू करने जा रहा है। आईआईटी बीएचयू देश के आर्किटेक्चर इंजिनियरिंग के क्षेत्र में सबसे पूरातन और अग्रणी संस्थान आईआईटी रूड़की से इस बाबत विशेषज्ञ सलाह लेगा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने मीडिया को मुखतिब होते हुए विगत छह माह में अर्जित की गई संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों से अवगत कराया।

प्रो. जैन ने बताया कि संस्थान में आर्किटेक्चर विभाग का प्रारंभ संस्थान की एक महत्वपूर्ण शैक्षिक उपलब्धि है। इसी प्रकार संस्थान को तीन

डिपार्टमेंट ऑफ आर्किटेक्चर एण्ड प्लानिंग होगा इसका नाम

शुरुआती दौर में 20 सीटें ही भरी जाएंगी

स्पार्क परियोजनाएं भी स्वीकृत हुई है। जोकि प्रो. राजीव प्रकाश, प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव और प्रो. आरएस सिंह द्वारा निर्देशित की जा रही है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार संस्थान में तीन इम्प्रिंट परियोजनाएं भी स्वीकृत हुई है जो डा. विंद कुमार, डा. जाहर सरकार और प्रो. राजीव प्रकाश के निदेशन में चलायी जायेंगी। प्रो. जैन ने कहा कि इसके साथ ही इस शैक्षणिक सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्र और छात्राओं को स्टूडेंटस एक्सचेंज पर जापान और फ्रांस के विवि में भेजा जायेगा।

निदेशक ने बताया कि संस्थान ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त पहचान दर्ज करायी है तथा विभिन्न प्रकार के

आर्किटेक्चर इंजिनियरिंग के नये पाठ्यक्रम

1 : बैचलर इन आर्किटेक्चर इंजिनियरिंग
2: मास्टर इन आर्किटेक्चर इंजिनियरिंग
3: बैचलर इन टाउन प्लानिंग
4: मास्टर इन टाउन प्लानिंग
5: बैचलर इन डिजाइन
6: मास्टर इन डिजाइन

शैक्षणिक व अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों के लिए 13 राष्ट्रीय संस्थाओं और पांच अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एमओयू हस्ताक्षर किये गये है। उन्होंने बताया कि संस्थान में वैज्ञानिक अनसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। विगत छः माह में संस्थान को 30 से अधिक अनुसंधान परियोजनायें स्वीकृत की गई है। निदेशक प्रो. जैन के अनुसार संस्थान ने छात्रों की उम्मीदों पर खरे उतरते हुये आधारभूत सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार किया है।

पांच वर्ष में खुलेंगे चार नए केन्द्र

वाराणसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने बताया कि महामना के विचारों को आगे बढ़ाते हुये संस्थान ने आगामी पांच वर्षों में संस्थान में चार नये केन्द्र जिनमें इनोवेशन एण्ड रिसर्च पार्क, डिफेंस एण्ड प्रीशिसन इंजिनियरिंग हब, ग्लोबल आउटरीच एण्ड इंगेजमेंट सेंटर और मालवीय स्टूडेंट एक्टिवीटी एण्ड कम्यूटिंग सेंटर बनाने का निश्चय किया है। इन केन्द्रों की स्थापना लागत लगभग 230 करोड़ होगी। इसके लिए भारत सरकार के संबंधित मंत्रालय के पास प्रपोजल भेजा जा चुका है। इन केन्द्रों की स्थापना के उपरांत संस्थान नवोन्मेष और अनुसंधान व कंप्यूटिंग के क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो जायेगा।